अमर उजाला

बरेली
बृहस्पतिवार, 3 नवंबर 2022
कार्तिक शुक्ल-दशमी
विक्रम संवत-2079

Page No : 02 TOP

थिएटर फेस्टिवल

शाम 4:00 बजे : रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में एक आवाज एक मोहब्बत की लालेश्वरी का मंचन होगा।

Page No : 07 MIDDLE

ठाकुर जी से लागी लगन तो रसिक बिहारी बन गई बनीठनी

मंचन करते कलाकार। *अमर उजाला*

थियेटर फेस्टिवल में दूसरे दिन हुआ नाटक बनीठनी से रसिक बिहारी का मंचन

बरेली। एसआरएम रिद्धिमा में चल रहे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में बुधवार को दूसरे दिन किशनगढ़ शैली के प्रसिद्ध चित्रकार निहाल चंद के जीवन पर आधारित नाटक बनीठनी से रसिक बिहारी का मंचन किया गया। नई दिल्ली के 5 एलिमेंट्स ग्रुप द्वारा मंचित इस नाटक का निर्देशन राखी मानव नाटक की ने किया।

नाटक की शुरुआत श्रीबांके बिहारी जी की शयन आरती में रसिक बिहारी के पद गायन से होती है। एक छोटी बच्ची बन्नो को राजा राज सिंह ढाई सौ अशर्फियों में अपनी पत्नी बंकावत की दासी बनाने के लिए खरीद लाते हैं। बंकावत बच्ची को कला और साहित्य की शिक्षा देती हैं। बच्ची हमेशा बनठन के रहती है, इसलिए उसका नाम ही बनीठनी हो जाता है। बड़े होकर उसका परिचय राजा के बेटे कुंवर सावंत सिंह से होता है। कुंवर उसकी प्रतिभा से प्रभावित होकर उससे प्रेम करने लगता है। दोनों प्रेम का जब परिवार और समाज विरोध करता है तो वे वृंदावन चले जाते हैं और नगरीदास व रसिक बिहारी नाम से मंदिरों में कृष्ण लीला करने लगते हैं। नाटक के अंत में सूत्रधार बताता है कि रसिक बिहारी ही असल में बनीठनी थी। मंच पर मानव मेहरा, इंदुला दास, मानसी मेहता, निधि सक्सेना, साकेत, विशाल आदि ने अपनी भूमिकाएं सुंदर ढंग से निभाईं। साईं ट्रस्ट की अध्यक्ष नीता कुदेशिया, एसआरएसएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति आदि उपस्थित रहीं। संवाद